शिलालेख और प्रस्तर अभिलेख

शिलालेख और प्रस्तर अभिलेख

सोहगौरा ताम्रलेख (Sohgaura Copper Plate)

- **स्थिति**- सोहगौरा, गोरखपुर (UP)
- **उल्लेख** - अकाल राहत प्रयास
- **भाषा** - प्राकृत*
- **विशेषताएँ - मौर्य वंश**
  - सबसे प्रारंभिक ज्ञात ताँबे की प्लेट
  - (दुर्लभ) पूर्व-अशोक ब्राह्मी शिलालेख

अशोक के अभिलेख

- **स्थिति** - पूर्वी भारत
- **उल्लेख** - धर्म के प्रति अशोक का दृष्टिकोण (बौद्ध दर्शन)
- **भाषा** - मगधी प्राकृत*
- **विशेषताएँ** - 33 शिलालेख (स्तंभ शिलालेख, प्रमुख प्रस्तर अभिलेख, लघु शिलालेख)
  - **बौद्ध धर्म का पहला मूर्त प्रमाण**
  - अशोक **देवनामपियदस्सी** के रूप में "भगवान के प्रिय सेवक"

रुम्मिनदेई स्तंभ अभिलेख

- **स्थिति** - लुंबिनी, नेपाल
- **उल्लेख** - अशोक की लुंबिनी यात्रा और वहाँ दी गई कर छूट
- **लिपि** - ब्राह्मी
- **विशेषताएँ** - लघु स्तंभ शिलालेख

प्रयाग-प्रशस्ति (इलाहाबाद स्तंभ)

- **स्थिति** - इलाहाबाद किला (पहले कौशांबी)
- **उल्लेख** - अशोक स्तंभ लेकिन 4 अलग-अलग शिलालेखों के साथ
- **लिपि** - ब्राह्मी
- **4 शिलालेखों में शामिल हैं-**
  - सामान्य अशोकन शिलालेख
  - रानी कौर्वकि अभिलेख
  - हरिषेण द्वारा समुद्रगुप्त की विजय का उल्लेख
  - जहाँगीर के शिलालेख फारसी में

महरौली शिलालेख (महरौली लौह स्तंभ)

- **स्थिति** - कुतुबमीनार परिसर, दिल्ली
- **उल्लेख** - वाकाटक और वंग (Vanga) देशों की विजय का श्रेय चंद्रगुप्त द्वितीय को दिया जाता है।
- **लिपि** - ब्राह्मी
- **विशेषताएँ - गुप्त वंश**
  - चंद्रगुप्त द्वितीय द्वारा **विष्णुपद** के रूप में स्थापित स्तंभ (भगवान विष्णु के सम्मान में)
  - जंग प्रतिरोधी धातु संरचना हेतु उल्लेखनीय।

कालसी शिलालेख

- **स्थिति** - कालसी नगर (उत्तराखंड)
- **उल्लेख** - प्रशासन, अहिंसा, आध्यात्मिकता में अशोक का मानवीय दृष्टिकोण
- **भाषा** - प्राकृत*
- **विशेषताएँ** - उत्तर भारत में एकमात्र स्थान, जहाँ अशोक के 14 शिलालेख मौजूद हैं।

मस्की शिलालेख

- **स्थिति** - मस्की (कर्नाटक में एक पुरातात्विक स्थल)
- **उल्लेख** - धर्मशासन (बौद्ध सिद्धांतों को बढ़ावा देता है)
- **भाषा** - प्राकृत*
- **विशेषताएँ** - पहला शिलालेख जिसमें पियदस्सी के स्थान पर अशोक का नाम है।

कलिंग अभिलेख

- **स्थिति** - कलिंग, ओडिशा
- **उल्लेख** - कलिंग युद्ध अशोक के लिये निर्णायक मोड़
- **भाषा** - मगधी प्राकृत, लिपि - ब्राह्मी
- **विशेषताएँ** - 14 शिलालेखों में से 11 का समूह
  - शांति का संकेत देने वाले 2 विशेष प्रस्तर अभिलेख
  - अशोक ने **दिग्विजय (Digvijaya) को** छोड़ दिया, अहिंसा और बौद्ध धर्म अपनाया

ऐहोल अभिलेख

- **स्थिति** - मेगुती मंदिर, कर्नाटक
- **उल्लेख** - पुलकेशिन द्वितीय ने हर्षवर्द्धन को पराजित किया
- **भाषा** - संस्कृत; लिपि - कन्नड़
- **विशेषताएँ** - चालुक्य विजय→पल्लव
  - **राजधानी: ऐहोल→बादामी**
  - रविकीर्ति (पुलकेशिन द्वितीय के दरबारी कवि) द्वारा लिखित

चालुक्यों की पहली राजधानी ऐहोल थी

हाथीगुंफा अभिलेख (हाथी गुफा शिलालेख)

- **स्थिति** - उदयगिरि-खंडगिरि गुफाएँ, ओडिशा
- **उल्लेख** - जैन धर्म के समर्थक राजा खारवेल का इतिहास
- **भाषा** - प्राकृत*
- **विशेषताएँ - महामेघवाहन वंश**

***नोट:** यहाँ * का तात्पर्य यह है कि जहाँ भाषा प्राकृत है, वहाँ लिपि ब्राह्मी है।*

Drishti IAS

और पढ़ें: मौर्य कला और स्थापत्य

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/inscriptions-and-rock-edicts